[Total No. of Questions - 6] [Total No. of Printed Pages - 2]
(2063)

884

B. Pharmacy (Ayurveda) 2nd Semester Examination

Sanskrit (NS)

BPA-217

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

1. कारक किसे कहते हैं? 'कर्म' और 'करण' कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए? **(10)**

2. निम्नलिखित श्लोकों का अनुवाद करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

   (a) अपरीउच न कर्तव्यं कर्तव्यं सुपरीक्षितम्।
   पश्चाद्भवनि संतापो ब्राह्मणी नकुले यथा।

   (b) जीर्यनते जीर्यतः केशा दन्ता जीर्यन्ति जीर्यतः।
   चक्षुः श्रोत्रे च जीर्येते नृष्णैका तरुणायते।। **(10)**

3. संधि कीजिए।

   (a) 1. परि + ईक्षा 2. इति + उवाच 3. उत् + चारणम् 4. यदि + अपि 5. कस् + चित् **(5)**

   (b) 1. कृष् 4 नः 2. सत् + चरितम् 3. सद् 4 जनः 4. वाक् + हरिः 5. दुष् + त **(5)**

4. (a) 'गुरु' अथवा 'मेधा शब्द के रूप सभी विभक्तियों में लिखें। **(5)**

   (b) 'कृदन्त की व्याख्या देकर कोई दो उदाहरण सहित लिखो। **(5)**

5. टिप्पणी : (Short note) any two

(a) त्रिदोश की व्याख्या देकर, त्रिदोश वृधिकर और क्षयकर औषध बताइए। **(5)**

(b) उदकमेह, इक्षुमेह और मधुमेह में क्या अन्तर है। **(5)**

(c) ज्वर में उपयुक्त औषधयोग बताकर विषम-ज्वर की औषधियाँ बताइए। **(5)**

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(a) पंचतन्त्र ..... ने लिखा है और पांचवा तन्त्र ..... है।

(b) 'अस्मद' के षष्ठी विभक्ति और द्वितीया विभक्ति के रूप लिखें।

(c) 'पिताशय' का शाब्दिक अर्थ देकर संधिविच्छेद कीजिए।

(d) 'भक्ष्' धातु के लोट् लकार के रूप लिखें।

(e) अतिसार के प्रकार बताइए।

(f) कामला के दो उत्तम औषधयोग के नाम लिखें।

(g) सप्तमी विभक्ति को.....कारक कहते हैं।

(h) आंतरिक रोग क्षमता बढ़ाने के उपाय बताइए।

(i) 'कृ' धातु का लट् लकार में प्रयोग कीजिए।

(j) मूत्रकृच्छहर औषध का निर्देश करें। **(20)**